मरूमेघ
किसान ई – पत्रिका
www.marumegh.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
©2020 marumegh
ISSN:2456-2904

# मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड

**करिश्मा कुमारी**
कृषि प्रचार और संचार विभाग
AC&ABC Scheme , कोटा राजस्थान
Correspondence author E-mail-karishmamscag@gmail.com

## मृदा

मृदा शब्द की उत्पति लेटिन भाषा के शब्द सोलम से हुई है । जिसका शाब्दिक अर्थ होता है फर्श अर्थात पृथ्वी की उपरी सतह को जिस पर विभिन्न प्रकार के पौधे उगते है तथा अपने वृद्धि व विकास के लिए जल एवं खनिज लवणो को ग्रहण करते है मृदा अथवा भूमि कहलाती हैं ।

### मृदा परीक्षण की आवश्यकता

किसानों को फसल चक्र के अनुसार तकनीकी तरीके से तथा अगली फसल के मान दण्डो के अनुसार खेतों में पोषक तत्वों एवं भूमि में उपस्थित पोषक तत्व का सही अनुमान लगाने के लिए खेतों की मृदा का परीक्षण करना महत्वपूर्ण होता है इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है की वे अपनी अगली फसल बुवाई की योजना बनाने से पूर्व अपने नजदीकी मृदा पर्योगशाला से खेत की मिट्टी की जाँच करवा लें ताकी अगली फसल बुवाई के लिए पोषक तत्वों का सही अनुमान लगया जा सके। वेसे आप सभी को विधित है की एक ही खेत की मृदा में विभिन्न्ता पाई जाती है अतः परीक्षण के लिए खेत से ऐसी मृदा का चयन करना चाहिए जो आपके खेत के प्रत्येक हिस्से की मृदा का प्रतिनीधित्व करती हो ।

### नमूना लेने के उद्देश्य

मिट्टी के रासायनिक परिक्षण के लिए नमूने एकत्रित करने के मुख्य उद्देश्य निम्न है ।

1- फसलों में उर्वरको के प्रयोग की सही मात्रा निर्धारित करने हेतु।

2- ऊसर तथा अम्लीय भूमि के सुधार तथा उसे उपजाऊ बनाने के लिए।

3- बाग़ व पेड़ लगाने में भूमि कि योग्यता निश्चित करने के लिए।

### मिट्टी का नमूना लेने की सही विधि

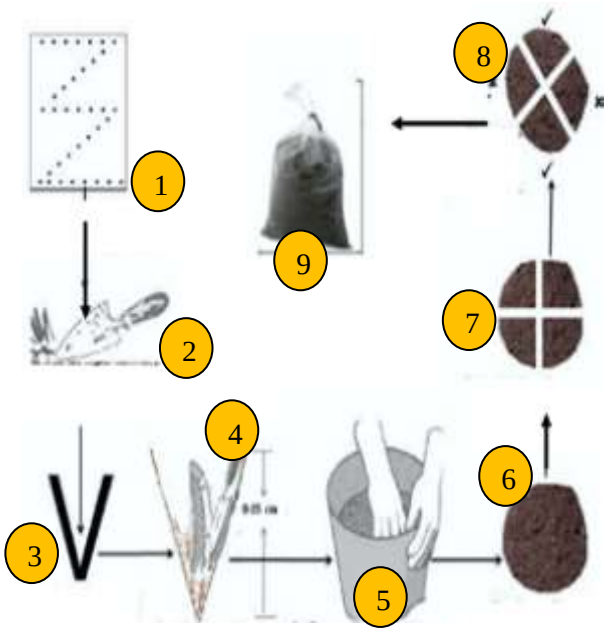


1. चित्रानुसार दर्शाए खेत के सभी जगह का नमूना लेना ।
2. खुरपी की सहायता से मिट्टी निकालना ।
3. 15 cm 'V' आकार का गद्दा खोदकर मिटटी निकलना ।
4. 'V'आकार के गड्ढे से निकली गयी मिट्टी को बाल्टी में एकत्रित करना ।
5. एकत्रित मिट्टी को अच्छी तरह मिलाना एवं कंकर पत्थर को मृदा से पृथक करना ।
6 एकत्रित की गई मृदा में ढेले तोड़ कर अच्छी तरह मिलना ।
7 चित्र संख्या 7-8 में दिखाए गए अनुसार मिलाई हुई मृदा को बराबर चार भागो में बाटना तथा आमने सामने के भाग को लेना यह परक्रिया को तब तक दोहराये जब तक नमूने का भार एक किलो न हो
9 एकत्रित नमूने को कपडे के बैग में भर कर उसके ऊपर खेत के खसरा संख्या, गाँव का नाम, किसान का नाम, मोबाइल नंबर लिखकर संबंधित प्रयोगशाला में ज़मा करवाना ।

**मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना**

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, फरवरी 2015 में भारत सरकार द्वारा शुरू की गयी योजना है. सरकार इस योजना के तहत किसानों के लिए सोइल कार्ड (Soil Card) जारी करती है, जिससे किसान के खेत की मिट्टी की गुणवत्ता का अध्ययन करके एक अच्छी फ़सल प्राप्त करने में सहायता मिल सके । फ़सल के लिए सबसे ज्यादा जरुरी होती है मिट्टी, यदि मिट्टी की क्वालिटी ही सही नहीं होगी तो फ़सल भी सही से नहीं होगी. इसलिए भारत सरकार ने किसानों के लिये यह कार्ड जारी किया है. इस स्कीम के अनुसार सरकार का 3 साल के अंदर ही पूरे भारत में लगभग 14 करोड़ किसानों को यह कार्ड जारी करने का उद्देश्य था. इस कार्ड में एक रिपोर्ट बनाई जाती है, जोकि किसानों को अपने खेत या जमीन के लिए तीन साल में एक बार दी जाती है।

**मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के कार्य**

- सबसे पहले मृदा परीक्षण अधिकारी विभिन्न मिट्टी के सैंपल को इकठ्ठा करते है ।
- इसके बाद वे इसे लैब में परीक्षण के लिए भेजते है तत्पश्यात लैब के अंदर विशेषज्ञ इसकी जाँच करते है।
- जाँच के बाद, विशेषज्ञ जाँच के परिणाम का विशलेषण करते है ।
- इसके बाद वे विभिन्न मिट्टी के सैंपल की ताकत और कमजोरी की सूची बनाते है।
- यदि मिट्टी में कुछ कमी है तो उसके सुधार के लिए सुझाव देंगे और उसकी एक सूची बनाते है ।
- इसके बाद सरकार किसानों के लिए मृदा कार्ड में फोर्मेटेड तरीके से पूरी जानकारी का ब्यौरा लिखित में दे दिया जाता है. जिससे किसान सरलता से समझ सकें.